सामाजिक परिवर्तन के रूप में Evolution (उद्विकास)

1. परिचय

सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया अलग-अलग गति से घटित होती है। कुछ परिवर्तन धीरे-धीरे और निरंतर होते हैं, जबकि कुछ परिवर्तन बहुत तीव्र गति से समाज की संरचना एवं संस्थाओं में व्यापक बदलाव लाते हैं। **Evolution (उद्विकास)** सामाजिक परिवर्तन का ऐसा ही क्रमिक रूप है।

2. Evolution का अर्थ

Evolution का अर्थ है—**सरल अवस्था से क्रमशः अधिक जटिल अवस्था की ओर होने वाला धीमा, निरंतर और क्रमबद्ध परिवर्तन।**

समाज के संदर्भ में इसका अर्थ सामाजिक संस्थाओं, संबंधों, मूल्यों और संरचनाओं में धीरे-धीरे होने वाले परिवर्तन से है।

3. Evolution की प्रमुख विशेषताएँ

1. यह **क्रमिक और धीमी प्रक्रिया** है।
2. परिवर्तन सामान्यतः **निरंतर** होता है।
3. परिवर्तन एक निश्चित क्रम में आगे बढ़ता है।
4. समाज की संरचना में धीरे-धीरे **जटिलता और विविधता** बढ़ सकती है।
5. इसमें अचानक व्यापक विघटन आवश्यक नहीं होता।
6. इसका प्रभाव लंबे समय में स्पष्ट दिखाई देता है।

4. Evolution के प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक

(क) हर्बर्ट स्पेंसर

स्पेंसर ने समाज को एक ऐसी व्यवस्था के रूप में देखा जो समय के साथ **सरल से जटिल** रूप की ओर विकसित होती है।

उनके अनुसार सामाजिक विकास में—

- सामाजिक विभेदीकरण बढ़ता है।
- विभिन्न संस्थाओं और भूमिकाओं का विकास होता है।
- सामाजिक संरचना अधिक जटिल होती जाती है।

उदाहरण: पारंपरिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था से आधुनिक औद्योगिक और सेवा-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर परिवर्तन।

(ख) लुईस हेनरी मॉर्गन

मॉर्गन ने मानव समाज के विकास को तीन प्रमुख अवस्थाओं में समझाया—

1. बर्बरता (Savagery)
2. असभ्यता/जंगली अवस्था (Barbarism)
3. सभ्यता (Civilization)

उनके अनुसार मानव समाज तकनीकी एवं सामाजिक विकास के विभिन्न चरणों से होकर आगे बढ़ता है।

(ग) एमिल दुर्खीम

दुर्खीम ने सामाजिक विकास को **यांत्रिक एकता (Mechanical Solidarity)** से **सावयवी एकता (Organic Solidarity)** की ओर परिवर्तन के रूप में समझाया।

- पारंपरिक समाज → समानता और सामूहिक चेतना पर अधिक आधारित
- आधुनिक समाज → श्रम-विभाजन और परस्पर निर्भरता पर अधिक आधारित

5. सामाजिक जीवन में Evolution के उदाहरण

- संयुक्त परिवार से छोटे परिवार की ओर परिवर्तन
- पारंपरिक शिक्षा से आधुनिक डिजिटल शिक्षा की ओर परिवर्तन
- कृषि आधारित अर्थव्यवस्था से औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र की ओर परिवर्तन
- पारंपरिक संचार से मोबाइल और इंटरनेट आधारित संचार की ओर परिवर्तन

6. Evolution की सीमाएँ

शास्त्रीय उद्विकासवादी सिद्धांतों की कुछ सीमाएँ भी हैं—

- सभी समाज एक ही क्रम से विकसित नहीं होते।
- सामाजिक परिवर्तन हमेशा सरल से जटिल दिशा में नहीं होता।
- ऐतिहासिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियाँ अलग-अलग समाजों में अलग प्रभाव डालती हैं।
- आधुनिक समाजशास्त्र बहुरेखीय (Multilinear) परिवर्तन को भी महत्त्व देता है।

सार

Evolution सामाजिक परिवर्तन की धीमी, क्रमिक और निरंतर प्रक्रिया है, जिसमें सामाजिक संरचना, संस्थाओं और संबंधों में समय के साथ परिवर्तन होता है।

Revolution (क्रांति) और Evolution से इसका संबंध

1. Revolution का अर्थ

Revolution (क्रांति) सामाजिक, राजनीतिक या आर्थिक व्यवस्था में होने वाला **तीव्र, व्यापक और मूलभूत परिवर्तन** है।

क्रांति सामान्य परिवर्तन से अलग होती है क्योंकि इसमें समाज की स्थापित संरचनाओं और संस्थाओं में अपेक्षाकृत कम समय में गहरा परिवर्तन हो सकता है।

2. Revolution की प्रमुख विशेषताएँ

1. परिवर्तन की गति **तीव्र** होती है।
2. इसका प्रभाव **व्यापक** होता है।
3. सामाजिक संरचना में **मूलभूत परिवर्तन** हो सकता है।
4. सत्ता एवं सामाजिक संबंधों में परिवर्तन संभव है।
5. इसमें संघर्ष और विरोध की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।
6. इसके परिणाम लंबे समय तक समाज को प्रभावित कर सकते हैं।

3. कार्ल मार्क्स और Revolution

कार्ल मार्क्स ने सामाजिक परिवर्तन को समझने में **वर्ग-संघर्ष** को केंद्रीय स्थान दिया।

मार्क्स के अनुसार समाज में विभिन्न वर्गों के हितों में विरोध उत्पन्न होता है। विशेष रूप से पूँजीवादी समाज में—

बुर्जुआ वर्ग → उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण
सर्वहारा वर्ग → श्रम पर निर्भर

इन वर्गों के बीच संघर्ष सामाजिक परिवर्तन को जन्म दे सकता है और चरम स्थिति में क्रांतिकारी परिवर्तन का रूप ले सकता है।

4. औद्योगिक क्रांति

औद्योगिक क्रांति सामाजिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

इसके परिणामस्वरूप—

- मशीनों का व्यापक प्रयोग हुआ।
- कारखाना व्यवस्था विकसित हुई।
- नगरीकरण बढ़ा।
- ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर प्रवास बढ़ा।
- श्रमिक वर्ग का विस्तार हुआ।
- परिवार एवं सामाजिक संबंधों में परिवर्तन आया।

- आर्थिक और वर्गीय संरचना में बदलाव आया।

5. राजनीतिक क्रांति : फ्रांसीसी क्रांति

1789 की फ्रांसीसी क्रांति राजनीतिक क्रांति का प्रमुख उदाहरण है।

इसके माध्यम से—

- राजशाही को चुनौती मिली।
- स्वतंत्रता और समानता के विचारों को बल मिला।
- राजनीतिक सत्ता एवं संस्थाओं में परिवर्तन आया।
- नागरिकता की आधुनिक अवधारणा को बढ़ावा मिला।

6. Evolution और Revolution में अंतर

आधार	Evolution	Revolution
गति	धीमी	तीव्र
प्रकृति	क्रमिक	अचानक/तीव्र
परिवर्तन	क्रमबद्ध	व्यापक एवं मूलभूत
समय	लंबी अवधि	अपेक्षाकृत कम अवधि
संघर्ष	आवश्यक नहीं	अक्सर संघर्ष की भूमिका
उदाहरण	परिवार एवं शिक्षा में क्रमिक परिवर्तन	फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति

7. Evolution और Revolution का संबंध

Evolution और Revolution को पूरी तरह अलग-अलग प्रक्रियाएँ नहीं माना जाना चाहिए।

कई बार **लंबे समय तक होने वाले क्रमिक परिवर्तन सामाजिक तनाव और असंतोष को जन्म देते हैं**, जो आगे चलकर तीव्र परिवर्तन का कारण बन सकते हैं। दूसरी ओर, क्रांति के बाद उत्पन्न नई सामाजिक व्यवस्था में पुनः क्रमिक परिवर्तन शुरू हो सकते हैं।

इस प्रकार—

क्रमिक परिवर्तन → तनाव/विरोध → तीव्र परिवर्तन → नई व्यवस्था → पुनः क्रमिक परिवर्तन

8. निष्कर्ष

Evolution और Revolution दोनों सामाजिक परिवर्तन के महत्वपूर्ण रूप हैं। **Evolution** समाज में धीरे-धीरे होने वाले क्रमिक परिवर्तन को दर्शाता है, जबकि **Revolution** तीव्र, व्यापक और मूलभूत परिवर्तन

को व्यक्त करता है। सामाजिक परिवर्तन को समझने के लिए दोनों अवधारणाओं का अध्ययन आवश्यक है।

परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

1. Evolution से आप क्या समझते हैं?
2. Evolution की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
3. स्पेंसर के उद्विकासवादी सिद्धांत की चर्चा कीजिए।
4. दुर्खीम के अनुसार सामाजिक विकास की प्रक्रिया समझाइए।
5. Revolution की परिभाषा एवं विशेषताएँ बताइए।
6. मार्क्स के क्रांति संबंधी विचारों की व्याख्या कीजिए।
7. Evolution और Revolution में अंतर स्पष्ट कीजिए।